

फार्म

74

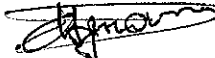
अच्छ/सम्पत्ति विवरणका वर्ष - 2014 2016.

\* प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष -

1. अधिकारी/कर्मचारी का पूरा नाम ..... दिलीप कुमार अग्निहोत्री
2. वर्तमान पता ..... D-3, 132 के.वी. उपकेन्द्र कालोनी म.प्र. पा. हां. के. लि. साहबोल
3. कार्यालय का नाम ..... सहायक अधीक्षता 132 के.वी. उपकेन्द्र म.प्र. पा. हां. के. लि. उमरिया
4. वर्तमान वेतन ..... रु. (17780 + 5100 + 21350)
5. भविष्य निधि कमांक ..... 25465401
6. कर्मचारी संख्या ..... 90515882 PKA

उस जिले, उप-संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्पत्ति स्थिति हो	सम्पत्ति नाम तथा ब्यौरा		वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाई के तह किसके नाम पर धारित है और उसका मण्डल अधिकारी / कर्मचारी का सम्बन्ध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया, खरीदा, पट्टा, बंधक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौरा	सम्पत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
	गृह तथा अन्य भवन हेतु	भूमि					
1. जिला - सीवा तह. - हुजूर (सीवा) पो. आ. - जगतिन्दगढ़ ग्राम - नकटा (म.प्र.)	पुराना भूकाल तथा कृषि भूमि और अन्य जलम - जलम 5 स्वामित्व है।	2.5 एकड़	45 लाख लगभग	2 एकड़ शर्मा के नाम पर तथा 0.5 एकड़ खेते - 11 ई. के स्वामित्व पर	पुरतनी जमीन (विरासत में)	रु. 4000/- लगभग	परीजमीन की देखरेख के लाभजनक योजनाओं के द्वारा खेते भाई करते हैं।
2. (बकीर नगर) राघपुर तह. - गढ़	M16 Duplex गृह	1100 वर्ग फीट	35 लाख	श्री मती शैल अग्निहोत्री पत्नी की पक्ष अग्निहोत्री (ज्येष्ठ पुत्र एवं पुत्र वधु)	खरीदा, हाउसिंग बोर्ड राघपुर (क.ग.) जून - जुलाई - 2015 (अधिपता दिनांक 01.09.2015)	निरंक शर्मा का निवास	पुत्र एवं पुत्र वधु द्वारा अर्जित की गई है।

नोट - उपरोक्त अचल सम्पत्ति का विवरण विगत वर्ष 2014 में भी विभाग की ओर प्रस्तुत किया गया है अर्थात् वर्ष 2014 में उक्त अचल सम्पत्ति के अतिरिक्त अन्य कोई सम्पत्ति अर्जित नहीं किया गया है।

हस्ताक्षर .....   
 नाम दिलीप कुमार अग्निहोत्री  
 पद वरिष्ठ परी. सहायक

\* जहां लागू न हो, काट दीजिये

\*\* ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाये।

\*\*\* इसमें अल्पकालिक पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी- मण्डल द्वारा ग्राह्य मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आचरण) नियम 1985 के नियम 19 (1) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक 12 महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करें और उसमें वह उसके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी